स्वर्णाकर्षण भैरव अष्टोत्तर शतनामावळिः

1. ॐ भैरवेशाय नमः ।
2. ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मने नमः
3. ॐ त्रैलोक्यवंधाय नमः
4. ॐ वरदाय नमः
5. ॐ वरात्मने नमः
6. ॐ रत्नसिंहासनस्थाय नमः
7. ॐ दिव्याभरणशोभिने नमः
8. ॐ दिव्यमाल्यविभूषाय नमः
9. ॐ दिव्यमूर्तये नमः
10. ॐ अनेकहस्ताय नमः
11. ॐ अनेकशिरसे नमः
12. ॐ अनेकनेत्राय नमः
13. ॐ अनेकविभवे नमः
14. ॐ अनेककंठाय नमः
15. ॐ अनेकांसाय नमः
16. ॐ अनेकपार्श्वाय नमः
17. ॐ दिव्यतेजसे नमः
18. ॐ अनेकायुधयुक्ताय नमः
19. ॐ अनेकसुरसेविने नमः
20. ॐ अनेकगुणयुक्ताय नमः
21. ॐ महादेवाय नमः
22. ॐ दारिद्र्यकालाय नमः
23. ॐ महासंपद्प्रदायिने नमः
24. ॐ श्रीभैरवीसंयुक्ताय नमः
25. ॐ त्रिलोकेशाय नमः
26. ॐ दिगंबराय नमः
27. ॐ दिव्यांगाय नमः

28. ॐ दैत्यकालाय नमः
29. ॐ पापकालाय नमः
30. ॐ सर्वज्ञाय नमः
31. ॐ दिव्यचक्षुषे नमः
32. ॐ अजिताय नमः
33. ॐ जितमित्राय नमः
34. ॐ रुद्ररूपाय नमः
35. ॐ महावीराय नमः
36. ॐ अनंतवीर्याय नमः
37. ॐ महाघोराय नमः
38. ॐ घोरघोराय नमः
39. ॐ विश्वघोराय नमः
40. ॐ उग्राय नमः
41. ॐ शांताय नमः
42. ॐ भक्तानां शांतिदायिने नमः
43. ॐ सर्वलोकानां गुरवे नमः
44. ॐ प्रणवरूपिणे नमः
45. ॐ वाग्भवाख्याय नमः
46. ॐ दीर्घकामाय नमः
47. ॐ कामराजाय नमः
48. ॐ योषितकामाय नमः
49. ॐ दीर्घमायास्वरूपाय नमः
50. ॐ महामायाय नमः
51. ॐ सृष्टिमायास्वरूपाय नमः
52. ॐ निसर्गसमयाय नमः
53. ॐ सुरलोकसुपूज्याय नमः
54. ॐ आपदुद्धारणभैरवाय नमः
55. ॐ महादारिद्र्यनाशिने नमः
56. ॐ उन्मूलने कर्मठाय नमः

57. ॐ अलक्ष्म्याः सर्वदा नमः
58. ॐ अजामलवद्धाय नमः
59. ॐ स्वर्णाकर्षणशीलाय नमः
60. ॐ दारिद्र्य विद्वेषणाय नमः
61. ॐ लक्ष्याय नमः
62. ॐ लोकत्रयेशाय नमः
63. ॐ स्वानंदं निहिताय नमः
64. ॐ श्रीबीजरूपाय नमः
65. ॐ सर्वकामप्रदायिने नमः
66. ॐ महाभैरवाय नमः
67. ॐ धनाध्यक्षाय नमः
68. ॐ शरण्याय नमः
69. ॐ प्रसन्नाय नमः
70. ॐ आदिदेवाय नमः
71. ॐ मंत्ररूपाय नमः
72. ॐ मंत्ररूपिणे नमः
73. ॐ स्वर्णरूपाय नमः
74. ॐ सुवर्णाय नमः
75. ॐ सुवर्णवर्णाय नमः
76. ॐ महापुण्याय नमः
77. ॐ शुद्धाय नमः
78. ॐ बुद्धाय नमः
79. ॐ संसारतारिणे नमः
80. ॐ प्रचलाय नमः
81. ॐ बालरूपाय नमः
82. ॐ परेषां बलनाशिने नमः
83. ॐ स्वर्णसंस्थाय नमः
84. ॐ भूतलवासिने नमः
85. ॐ पातालवासाय नमः

86. ॐ अनाधाराय नमः
87. ॐ अनंताय नमः
88. ॐ स्वर्णहस्ताय नमः
89. ॐ पूर्णचंद्रप्रतीकाशाय नमः
90. ॐ वदनांभोजशोभिने नमः
91. ॐ स्वरूपाय नमः
92. ॐ स्वर्णालंकारशोभिने नमः
93. ॐ स्वर्णाकर्षणाय नमः
94. ॐ स्वर्णाभाय नमः
95. ॐ स्वर्णकंठाय नमः
96. ॐ स्वर्णाभांबरधारिणे नमः
97. ॐ स्वर्णसिंहानस्थाय नमः
98. ॐ स्वर्णपादाय नमः
99. ॐ स्वर्णभपादाय नमः
100. ॐ स्वर्णकांचीसुशोभिने नमः
101. ॐ स्वर्णजंघाय नमः
102. ॐ भक्तकामदुधात्मने नमः
103. ॐ स्वर्णभक्ताय नमः
104. ॐ कल्पवृक्षस्वरूपिणे नमः
105. ॐ चिंतामणिस्वरूपाय नमः
106. ॐ बहुस्वर्णप्रदायिने नमः
107. ॐ हेमाकर्षणाय नमः
108. ॐ भैरवाय नमः

|| इति श्री स्वर्णाकर्षण भैरव अष्टोत्तर शतनामावळिः संपूर्णं ||